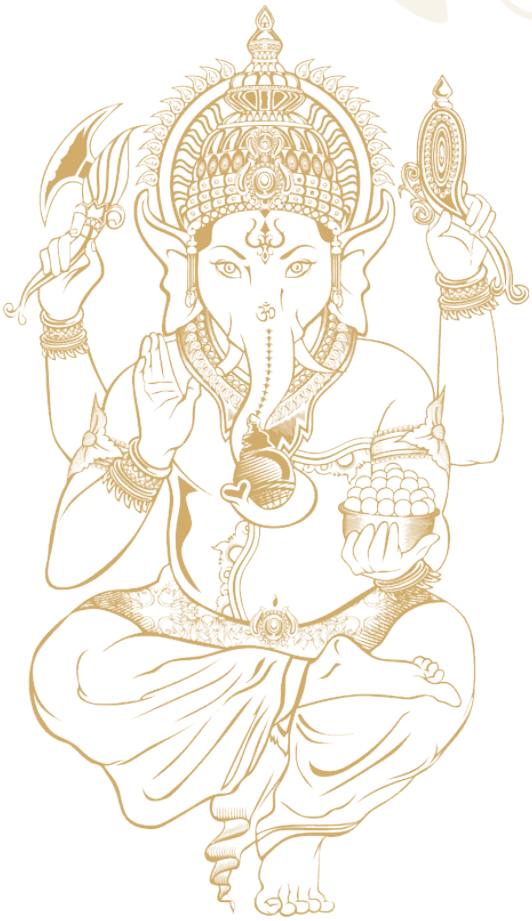

Mr.AVINAV RAJ

Ms.priti sinha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119030001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119030001 Date: 09/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/09/1989	जन्म तिथि	02/03/1991
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 11:40:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 15:27:53	जन्म समय(घटी)	33:28:15 घटी
India	देश	India
Jamshedpur	स्थान	Patna
22:47:00 उत्तर	अक्षांश	25:37:00 उत्तर
86:12:00 पूर्व	रेखांश	85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:48	स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:50	सूर्योदय	06:12:23
17:58:37	सूर्यास्त	17:50:55
23:42:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:17
वृश्चिक	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
तुला	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
स्वाति	नक्षत्र	हस्त
राहु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	1
ब्रह्म	योग	शूल
बालव	करण	गर
रो-रोहित	जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मूषक

ज्योतिष ग्रह रत्न् केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 8वर्ष 0मा 1दि		11:50:13	वृश्चि	लग्न	कन्या	10:49:46	चन्द्र 9वर्ष 5मा 20दि	
शनि		18:57:01	सिंह	सूर्य	कुंभ	17:44:46	राहु	
06/09/2013		14:04:19	तुला	चंद्र	कन्या	10:42:12	22/08/2007	
06/09/2032		27:02:52	सिंह	मंगल	वृष	20:39:51	21/08/2025	
शनि	09/09/2016	14:49:45	कन्या	बुध	कुंभ	18:09:55	राहु	04/05/2010
बुध	20/05/2019	12:48:23	मिथु	गुरु व	कर्क	11:02:26	गुरु	27/09/2012
केतु	28/06/2020	27:47:11	कन्या	शुक्र	मीन	16:21:28	शनि	04/08/2015
शुक्र	28/08/2023	13:36:56	धनु व	शनि	मक	08:51:40	बुध	20/02/2018
सूर्य	09/08/2024	01:58:08	कुंभ व	राहु व	मक	03:27:32	केतु	11/03/2019
चन्द्र	11/03/2026	01:58:08	सिंह व	केतु व	कर्क	03:27:32	शुक्र	10/03/2022
मंगल	20/04/2027	07:37:54	धनु व	हर्ष	धनु	19:09:45	सूर्य	02/02/2023
राहु	23/02/2030	15:57:45	धनु व	नेप	धनु	22:25:16	चन्द्र	03/08/2024
गुरु	06/09/2032	19:11:45	तुला	प्लूटो व	तुला	26:37:03	मंगल	21/08/2025

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:42:56 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:17

लग्न-चलित

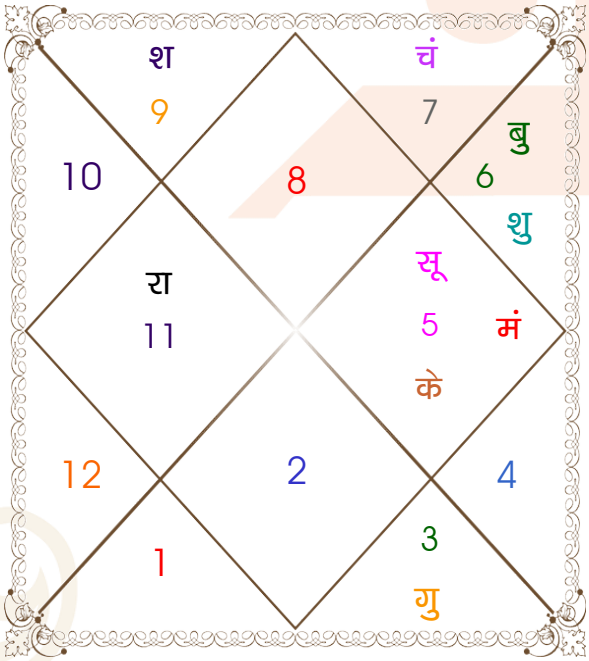

लग्न-चलित

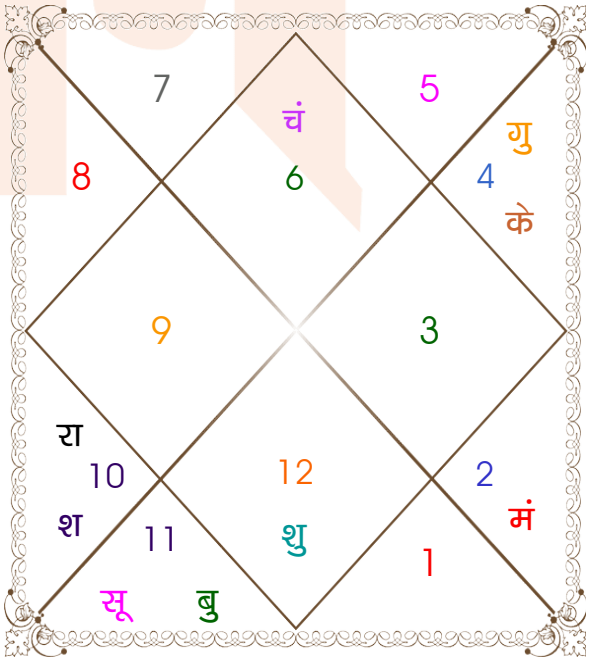

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

कुल : **26.5 / 36**

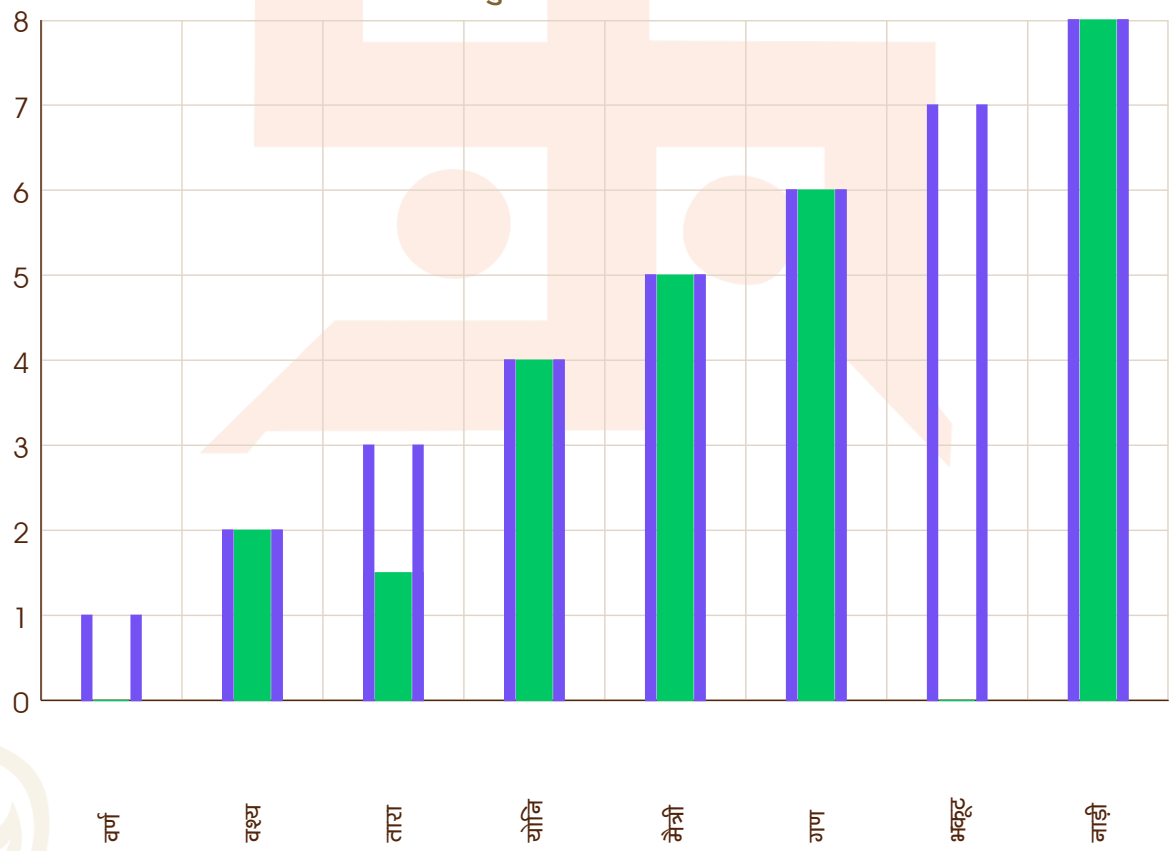

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.AVINAV RAJ का वर्ग मृग है तथा डेण्चतपजप`पर्दी का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.AVINAV RAJ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डेण्चतपजप`पर्दी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr.AVINAV RAJ तथा डेण्चतपजप`पर्दी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.AVINAV RAJ का वर्ण शूद्र है तथा डेण्चतपजप`पर्दी का वर्ण वैश्य है। क्योंकि डेण्चतपजप`पर्दी का वर्ण Mr.AVINAV RAJ के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। डेण्चतपजप`पर्दी अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह डेण्चतपजप`पर्दी अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Mr.AVINAV RAJ का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण्चतपजप`पर्दी का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.AVINAV RAJ एवं डेण्चतपजप`पर्दी दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.AVINAV RAJ की तारा विपत तथा डेण्चतपजप`पर्दी की तारा मित्र है। Mr.AVINAV RAJ की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.AVINAV RAJ एवं Mr.AVINAV RAJ के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि डेण्चतपजप`पर्दी हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर डेण्चतपजप`पर्दी को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr.AVINAV RAJ की योनि महिष है तथा डेण्चतपजप`पर्दी की योनि भी महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का

आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.AVINAV RAJ एवं डेण्चतपजप`पर्दी दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.AVINAV RAJ एवं डेण्चतपजप`पर्दी के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.AVINAV RAJ एवं डेण्चतपजप`पर्दी जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.AVINAV RAJ का गण देव तथा डेण्चतपजप`पर्दी का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.AVINAV RAJ से डेण्चतपजप`पर्दी की राशि द्वादश भाव में स्थित है डेण्चतपजप`पर्दी से Mr.AVINAV RAJ की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Mr.AVINAV RAJ परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु डेण्चतपजप`पर्दी का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। डेण्चतपजप`पर्दी की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही डेण्चतपजप`पर्दी तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Mr.AVINAV RAJ की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण्चतपजप`पर्दी की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं

कफ को संतुलित करता है। Mr.AVINAV RAJ की अन्त्य नाड़ी तथा डेण्चतपजप`पर्दी की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.AVINAV RAJ की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा डेण्चतपजप`पर्दी की राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या राशि है। पृथ्वी एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेंगी फलतः यदा कदा आपसी संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

Mr.AVINAV RAJ की राशि का स्वामी शुक्र तथा डेण्चतपजप`पर्दी की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में पड़ते हैं। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा एक सच्चे मित्र की तरह जीवन को सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे। Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी एक दूसरे के गुणों से प्रभावित रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। वे परस्पर सेवा सदभाव, सहयोग एवं समर्पण की भावना रखेंगे तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहायता प्रदान करने में तत्पर होंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Mr.AVINAV RAJ तथा डेण्चतपजप`पर्दी की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबधों में मतभेद तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। इनके मानसिक स्तर पर भी मतभेद होंगे जिससे संबंधों में कटुता एवं तनाव उत्पन्न होगा। अतः यदि Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी बुद्धिमता से कार्य लें तथा परस्पर आलोचना तथा वैमनस्य के भाव का त्याग करें तो इनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी दोनों का वश्य मानव है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.AVINAV RAJ का वर्ण शूद्र तथा डेण्चतपजप`पर्दी का वर्ण वैश्य है। अतः Mr.AVINAV RAJ की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से पूर्ण करने की रहेगी तथा डेण्चतपजप`पर्दी धनार्जन संबधी कार्यो में सक्रिय रहेंगी तथा धन को विशेष वरीयता प्रदान करके वणिक बुद्धि से कार्यों को सम्पन्न करेंगी ।

धन

Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Mr.AVINAV RAJ की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सटटा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Mr.AVINAV RAJ को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.AVINAV RAJ की नाड़ी अन्त्य तथा डेण्चतपजप`पर्दी की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति डेण्चतपजप`पर्दी के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः डेण्चतपजप`पर्दी को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.AVINAV RAJ और डेण्चतपजप`पर्दी का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्चतपजप`पर्दी के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर

सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी डेण्चतपजप`पर्दी को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः डेण्चतपजप`पर्दी को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ डेण्चतपजप`पर्दी के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से डेण्चतपजप`पर्दी सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Mr.AVINAV RAJ के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.AVINAV RAJ अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.AVINAV RAJ के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.AVINAV RAJ के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।